Ad'vasi Seva Sahayyak Sanstha's

☎ : 50159
R. 50235

SHRI D. H. AGRAWAL ARTS,
SHRI RANG AVADHOOT COMMERCE AND
SHRI C. G. SHAH & M. G. AGRAWAL SCIENCE COLLEGE

NAVAPUR (Dist. Dhule) 425 418

S. N. DESHPANDE
Principal

P. B. No. 2

O/W. No. ९२-९३/ 30(

Date २८. ८. १९९२

प्रति,
मा. प्रभा. कुलसचिव,
उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगांव.

विषय : प्रथम वर्ष कला "उपयोजित मराठी" विषयाचे मूल्यमापन पद्धती व नमुना प्रश्न पाठविणेबाबत...

संदर्भ : आपले परिपत्रक क्र. ७४/१९९२
जा. क्र. मराठी/अभ्यास/९२/४/२४/८१५२ दि. १०. ८. ९२

महोदय,

आपले वरील संदर्भीय परिपत्रक मिळाले. आभारी आहोत. मात्र या परिपत्रकात केवळ "वाङ्मयीन मराठी" या पेपरचा मूल्यमापन पद्धती व नमुना प्रश्न आहेत. याच पेपरला "उपयोजित मराठी" हा वैकल्पिक पेपर आहे आणि आम्ही आमच्या महाविद्यालयात हा पेपर शिकविणार आहोत. इतरत्रही अनेक ठिकाणी तो शिकविला जातो. त्याची मूल्यमापन पद्धती व नमुना प्रश्न मात्र या परिपत्रकातून आलेले नाहीत. तरी या वैकल्पिक "उपयोजित मराठी" पेपरची मूल्यमापन पद्धती व नमुना प्रश्न पाठविण्याची व्यवस्था करावी ही विनंती.

आपला स्नेहांकित,

[प्रा. कैलास ठाकूर]
मराठी विभाग प्रमुख
कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, नवापूर, जि. धुळे.

प्रति माहितीसाठी सादर रवाना :-

१) डॉ. कृ. ब. शहा,
मा. अधिष्ठाता, कला विद्याशाखा, उमवि. जळगांव.
द्वारा एस. एस. व्ही. पी. एस. महाविद्यालय, धुळे.

२) डॉ. रमेश वरखेडे,
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ, उमवि. जळगांव,
द्वारा [illegible] प्रगत अध्ययन केंद्र, [illegible], देवपूर, धुळे.

३) मा. कुलगुरु,
उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगांव.

४) मा. सह. कुलसचिव, परीक्षा विभाग,
उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगांव.

"ज्ञानरी पेटवू ज्ञानज्योत"

उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगांव.

परिपत्रक क्र. ६२ /१९९२

विद्यापीठ अधिकार मंडळाच्या निर्णयानुसार सर्व संबंधितांच्या माहिती-साठी कळविण्यांत येते की, उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाशी संलग्न असलेल्या सर्व कला, विज्ञान व वाणिज्य महाविद्यालयांसाठी प्रथमवर्ष वाणिज्य साठी "हिंदी" या विषयाचा अभ्यासक्रम सोबत पाठविला आहे.

त्याचप्रमाणे प्रथमवर्ष कला, प्रथमवर्ष वाणिज्य व प्रथमवर्ष एम्. ए. साठी "हिंदी" विषयाच्या अभ्यासक्रमासाठी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाकडून प्रकाशित होणारी पुस्तके प्रसिध्द केली जात असून ती लवकरच उपलब्ध होतील.

द्वितीय वर्ष बी. ए., तृतीयवर्ष बी. ए. व द्वितीयवर्ष एम्. ए. चया विद्यार्थ्यांसाठी १९९२-९३ या वर्षासाठी जूनाच म्हणजे १९९१-९२ साठी जो अभ्यासक्रम होता तोच शिकवावयाचा आहे.

कला, विज्ञान व वाणिज्य महाविद्यालयाचे मा. प्राचार्य यांना विनंती की, त्यांना या परिपत्रकाचा आशय सर्व संबंधित प्राध्यापकांच्या आणि विद्यार्थ्यांच्या नजरेस आणावा ही विनंती.

जा. क्र. अभ्यासक्रम/हिंदी/९२/६/२६/ ५९७७

दिनांक : ७/७/१९९२,

जळगांव.

सहाय्यक कुलसचिव

प्रत माहितीसाठी सादर रवाना :-

१] मा. अधिष्ठाता, कला विद्याशाखा,

२] मा. सदस्य, हिंदी अभ्यास मंडळ.

३] सर्व संलग्न कला, विज्ञान व वाणिज्य महाविद्यालयाचे मा. प्राचार्य.

४] मा. उपकुलसचिव [शैक्षणिक विभाग]

५] मा. सहाय्यक कुलसचिव [परीक्षा विभाग]

६] मा. कक्षाधिकारी, [रेकॉर्ड विभाग]

----- x -----

सु. ह. /-२४१/

।। अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत ।।

उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगांव-४२५ ००१.

प्रथम वर्ष वाणिज्य – हिंदी अभ्यासक्रम [१९९२-९३ पासून]

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

अ] सत्रांत परीक्षा

समय – २ घण्टे

कुल अंक – ६०

प्रश्न. १ प्रथम सत्र के लिए निर्धारित पाठों पर पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। उनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। अंक १५.

प्रश्न. २. अ] प्रथम सत्र के पाठों पर तीन टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी। उनमेंसे दो लिखनी है। अंक १०

आ] प्रथम सत्र के पाठों पर एक वाक्यीय उत्तरवाले पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। सभी लिखने है। अंक ०५

प्रश्न. ३. व्यावसायिक पत्र अथवा

शासकीय पत्र का प्रारूप तैयार करना है। अंक १०

प्रश्न. ४. अ] पारिभाषिक शब्दावली – अँग्रेजी पारिभाषिक शब्दों के लिए हिन्दी पर्यायवाची शब्द लिखने होंगे। परीक्षा में पन्द्रह शब्द दिए जाएँगे, इन के पर्याय लिखने होंगे। ये शब्द प्रथम सत्र के लिए निर्धारित पारिभाषिक शब्दो की सूची में से होंगे। अंक १०.

प्रश्न. ५. परिच्छेद का एक तिहाई में सार लेखन। अंक १०

[शिर्षक के लिए दो अंकों का प्रावधान है।]

कुल अंक – ६०.

आ] वार्षिक परीक्षा

समय – ३ घण्टे।

कुल अंक ८०

महत्त्वपूर्ण सूचना – वार्षिक परीक्षा में संपूर्ण वर्ष में पठित पाठ्यक्रम पर प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम पर ४०% और द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रम पर ६०% अंको के प्रश्न होंगे।

प्रश्न. १. पाठों पर कुल छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएँगे। दो प्रश्न प्रथम सत्र के पाठोंपर और शेष चार द्वितीय सत्र के पाठों पर होंगे। छः में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। अंक १६

प्रश्न. २. अ] कुल पाँच टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी। दो टिप्पणियाँ प्रथम सत्र के पाठों पर और तीन टिप्पणियाँ द्वितीय सत्र के पाठों पर होंगी। पाँच में से तीन टिप्पणियाँ लिखनी है। अंक १२

आ] दोनों सत्रों के पाठों पर आधारित एक वाक्यीय उत्तर वाले चार प्रश्न होंगे। चारों के उत्तर लिखने है। अंक ०४

प्रश्न. ३. अ] पाठ के आशय, चरित्रांकन, उद्देश्य आदि को लेकर दो दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जाएँगे। एक प्रश्न प्रथम सत्र के पाठों पर और एक प्रश्न द्वितीय सत्र के पाठों पर होगा। दो में से एक का उत्तर अपेक्षित है। अंक ०८

आ] व्याकरण-भाषाज्ञान-वाक्य शुध्दीकरण लिंग, वचन, अर्थ, भेद, वाक्य रचना संबंधी भूलों से युक्त दस वाक्यों में से आठ वाक्य शुध्द करते हुए पुन: लिखने है। अंक ०८

प्रश्न. ४. अ] मसौदा लेखन पाठ्यक्रम में दिए हुए मसौदे के प्रकारों में से किसी एक प्रकार का मसौदा पूछा जाएगा। अंक ०६

आ] निबन्ध लेखन - चार विषयों में से एक विषय पर निबन्ध लिखना है। अंक १०

प्रश्न. ५. अ] पारिभाषिक शब्द - पाठ्यक्रम में निर्धारित पारिभाषिक शब्दों की सूची में से अँग्रेजी पारिभाषिक शब्दों के लिए हिंन्दी पर्यायवाची शब्द लिखने है। दस शब्दों में से आठ शब्द लिखने होंगे। अंक ०८

आ] सारलेखन - परिच्छेद का सारलेखन और उसके लिए शीर्ष देना। परिच्छेद लगभग सौ से एकसौ बीस शब्दों का होगा। सारलेखन के लिए छः अंक और शीर्षक के लिए दो अंक। अंक ०८

पूर्ण अंक - १ ८०

प्रथम सत्र - ६०

गद्य पाठ. २

१] प्रश्न ५/३ = १५
१० टिप्पणियाँ ३/१ १०
५ एक वाक्यीय ५/ ५
१० व्यावसायिक पत्र या शासकीय पत्र
१० पारिभाषिक शब्द
१० सारलेखन

द्वितीय सत्र - ८०

[गद्य की विभिन्न विधाएँ]
व्याकरण में भाषाज्ञान/मसौदा लेखन निबंध लेखन
पारिभाषिक शब्द
सार लेखन

प्रथम सत्र एवं द्वितीय सत्र के लिए जो गद्य-पाठ है, उनकी सूचना पाठ्य पुस्तक में दी गई है। पाठ्य पुस्तक में ही प्रश्नपत्र पर आधारित सभी सामग्री उपलब्ध है।

डीबी./